नौकरी देनेवाला बनना होगा : अजय यादव

पटना. भारत को दुनिया का नंबर एक स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाना है. इसके लिए हमें परिसरों को जीवंत प्रयोगशालाओं में बदलना होगा और छात्रों को नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनना होगा. ये बातें शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव मंगलवार को सीआइएमपी में आइआइसी रिजिनल मीट के दौरान कहीं. भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के एआइसीटीइ इनोवेशन सेल द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों, स्टार्टअप्स, उच्च शिक्षा संस्थानों व नवप्रवर्तकों को एक मंच पर लाकर नवाचार, उद्यमिता और सहयोग को बढ़ावा देना था. सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने कहा नवाचार केवल विचार नहीं, बल्कि समाज के लिये उपयोगी समाधान बनाने की प्रक्रिया है. यह सम्मेलन छात्रों, स्टार्टअप्स और संस्थानों को अपने काम को दुनिया के सामने लाने का महत्वपूर्ण अवसर देता है.

Prabhat Khabar ! Page No - 07 ! Date - 03-12-2025 !

समाज में परिवर्तनकारी नवाचार करें प्रस्तुत

- चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में आइआइसी क्षेत्रीय सम्मेलन
- स्वदेश उद्यमी-बाजार द्वारा उत्पाद प्रदर्शनी के 28 स्टाल

सीआइएमपी में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते शिक्षक। ● सौः सीआइएमपी

जागरण संवाददाता, पटनाः चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआइएमपी) में मंगलवार को आइआइसी क्षेत्रीय सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआइ), नवप्रवर्तकों और पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनाने वालों के बीच नवाचार, उद्यमिता और सहयोग को बढ़ावा देना था। मुख्य अतिथि बिहार शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव ने कहा कि नवाचार केवल एक प्रचलित शब्द नहीं रहना चाहिए। हमें इसे न केवल अपने सोच में, बल्कि क्रियान्वयन में भी अपनाना होगा और ऐसे समाधान प्रस्तुत करने होंगे, जो वास्तव में बदलाव लाएं।

एआइसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम ने कहा कि आइआइसी क्षेत्रीय सम्मेलन नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने, संस्थानों और छात्रों को सशक्त बनाने के लिए एक उत्प्रेरक है, ताकि स्टार्टअप और नवाचार में वैश्विक नेता बनने के भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सके। एआइसीटीई के सहायक निदेशक अखिलेश कुमार ने कहा कि आइआइसी क्षेत्रीय बैठक नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने, युवा दिमागों को विकसित राष्ट्र के लिए विचारों को प्रभावशाली समाधानों में बदलने के लिए सशक्त बनाने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि सच्चा नवाचार विचारों को उत्पन्न करने से कहीं अधिक सार्थक प्रभाव उत्पन्न करने के बारे में है। सम्मेलन में युक्ति इनोवेशन/स्टार्टअप्स, स्वदेश उद्यमी-बाजार द्वारा उत्पाद प्रदर्शन और प्रदर्शनी के 28 स्टाल लगाए गए थे।

Dainik Bhaskar ! Page No - 04 ! Date - 03-12-2025 !

आईआईसी क्षेत्रीय सम्मेलन में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में मंगलवार, 2 दिसंबर 2025 को आईआईसी क्षेत्रीय सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया।

यह सम्मेलन उच्च शिक्षा संस्थानों, नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने और नवाचार व उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एआईसीटीई इनोवेशन सेल द्वारा किया गया और मुख्य अतिथि बिहार शिक्षा विभाग के सचिव श्री अजय यादव थे।

सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि नवाचार केवल विचार पैदा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के लिए सार्थक समाधान तैयार करने में इसकी भूमिका अहम है। एआईसीटीई अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम ने इसे नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया।

कार्यक्रम में 28 स्टॉलों के माध्यम से नवप्रवर्तकों ने अपने उत्पाद और विचार प्रदर्शित किए, जिसमें 'स्वदेशी उद्यमशीलता' स्टॉल भी शामिल था। दिल्ली पब्लिक स्कूल, पटना के कृष मित्रा को प्रथम, स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग के 'सुरक्षा कैनुअल' को द्वितीय और युक्ति इनोवेटर्स के 'निकट सामाजिक' को तृतीय स्थान मिला। उद्यमी प्रदर्शन में नेचुरल बी प्रथम, आनंद ज्योति द्वितीय और घास पाट तृतीय स्थान पर रहे। पोस्टर प्रस्तुति में चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान प्रथम, बीआईटी पटना द्वितीय और गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, पलामू तृतीय स्थान पर रहे।

सम्मेलन ने नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में छात्रों और संस्थानों की प्रतिबद्धता को मजबूत किया और भविष्य में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।

Aaj ! Page No - 04 ! Date - 03-12-2025 !

स्टार्टअप इको सिस्टम को मजबूत करने पर जोर

पटना। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआईएमपी) ने मंगलवार को एआईसीटीई की इनोवेशन इकाई की ओर से आईआईसी क्षेत्रीय सम्मेलन 2025 की मेजबानी की। कार्यक्रम में बिहार शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर चर्चा हुई। अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम और सहायक निदेशक और अखिलेश कुमार ने ऑनलाइन संबोधित किया। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह व सीएओ कुमोद कुमार भी उपस्थित रहे।

Hindustan ! Page.No-04 ! Dated:03-12-2025